

# समाज के लिए जीना ही है राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य : प्रो. अनिल कुमार शुक्ल

**व्यक्तिगत से सामाजिक हित और राष्ट्रीय एकता का प्रयास है यह राष्ट्रीय एकता शिविर : प्रो. नीलिमा सिंह विद्यार्थियों में भारतीयता व विभिन्नता में एकता की भावना का विकास ही राष्ट्रीय एकता शिविर का उद्देश्य : पी. के. सिंह मेवाड़ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय एकता शिविर का शानदार आगाज, पहला दिन होगा उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड एवं बिहार के नाम**

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़/गगरारा। व्यक्तिगत से सामूहिक यात्रा, व्याप्ति से समर्पित की यात्रा, पिण्ड से ब्रह्मांड की यात्रा ही राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य है। यह सिखाती है कि हमें बहुत ऊँचा उठना है, इतना ऊँचा उठना है कि हम सभी राष्ट्रीय एकता महसूस कर सकें, सब में सद्व्यवहार और प्रेम का प्रसार कर सकें। उक्त उद्घार व्यक्त कर सुन्धे थे महर्षि दयानंद सस्कृती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० अनिल कुमार शुक्ल। प्रो० शुक्ल मेवाड़ विश्वविद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भास्त सरकार तथा क्षेत्रीय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में बोल सुन्धे थे। अपनी बात शुरू करते हुए उन्होंने कहा कि मेवाड़ शौर्य व बलिदान की धरती है। यह धरती हमें बोरता के साथ मरना सिखाती है तो वही आज राष्ट्रीय रोबा योजना हांगा आयोनिन राष्ट्रीय रत्न का यह एकता शिविर हमें बोरता के साथ जीना सिखाता है। उन्होंने कहा कि शिश्व का मूल उद्देश्य समाज का कल्याण ही है। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में देश भर के एनएसएस बालटियर्स को सम्बोधित करते हुए युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भरत सरकार के राष्ट्रीय नेतृवा योजना निदेशक पी. के. सिंह ने कहा कि मानव संसाधन किसी भी देश की सबसे बड़ी सम्पद होती है। इसी सम्पद का निरंतर निर्माण करना एनएसएस का मकसद है। एनएसएस के माध्यम से हम विद्यार्थियों में नागरिक व नैतिक



मूल्य विकसित करते हैं। एनएसएस के इस राष्ट्रीय एकता शिविर के पीछे की सोच भी यही है कि विद्यार्थियों में भारतीयता व विभिन्नता में एकता की भावना विकसित हो सके। शिश्व विभाग, राजस्थान सरकार के गज्य नोडल अधिकारी धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि जब तक हम समाज में अपना योगदान नहीं देते, तब तक एक बेहार नागरिक नहीं बन सकते। हमारा आचार-विचार व परिधान कैसा हो यह भी एनएसएस सीखाता है। इसके फले एनएसएस की अबधारणा, राकित्यना और उद्देश्यों को बताते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर के क्षेत्रीय निदेशक एस. पी. भट्टाचार्य ने कहा कि यह ऐसा अवसर है देश भर के एनएसएस बालटियर्स के लिए जहाँ हम हमारे भाजत की साझी सम्पद होती है। इसी सम्पद का निरंतर निर्माण करना एनएसएस का मकसद है। एनएसएस के माध्यम से हम विद्यार्थियों में नागरिक व अध्यक्ष गीत के साथ हुई।

गोविन्द लाल गदिया ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भास्त सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम नियमित होने चाहिए जिससे हम राष्ट्र निर्माण की अपनी भावी योजनाओं को सकार कर सकें। मेवाड़ एनुकेशन सोसाइटी का भी यही उद्देश्य है कि वह समाज के हर वर्ग को एक बेहतर शिक्षा व सामाजिक व्यवहार की उत्त पद्धति मुहैया करा सके। इसमें न केवल सरकार बल्कि समाज के हर व्यक्ति से सहयोग व योगदान की हमें आवश्यकता है। इन सबके अलावा उद्घाटन समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ। जिसमें मेवाड़ विश्वविद्यालय की नृत्य विभाग व्याया कुंजलता मिश्न ने गा बद्रदंती एक ताल पर ओडीशी नृत्य प्रस्तुत किया। जय नायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के एनएसएस बालटियर्स ने स्वातंत्र्त समूह गान इस्वानात म्लरे हिवड़े रा पावड़ा गर्ने एवं मेवाड़ विश्वविद्यालय के एनएसएस बालटियर्स ने नृत्य प्रस्तुती दी। साथ ही बौसुरी पर श्मीरा हो गई मणश, जो प्रस्तुति संगीत विभागाव्यक्ष डॉ० राजर्जि क्षेत्रीय विभाग ने दी। राष्ट्रीय एकता शिविर के उद्घाटन सत्र की शुरुआत सरस्वती वंदना, मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलगीत व एनएसएस

# समाज के लिए जीना ही है राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य प्रो. अनिल कुमार शुक्ल

व्यक्तिगत से सामाजिक हित और राष्ट्रीय एकता का प्रयास है यह राष्ट्रीय एकता शिविर प्रो० नीलिमा सिंह

विद्यार्थियों में भारतीयता व विभिन्नता में एकता की भावना का विकास ही राष्ट्रीय एकता शिविर का उद्देश्य पी० के० सिंह

मेवाड़ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय एकता शिविर का शानदार आगाज

पहला दिन होगा उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड एवं बिहार के नाम

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़/गंगारार (अमित कुमार चेचानी)। व्यक्तिगत से सामृहिक यात्रा, व्यष्टि से समर्पित की यात्रा, पिण्ड से ब्रह्मांड की यात्रा ही राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य है। यह सिखाती है कि हमें बहुत कंच उठना है, इतना कंच उठना है कि हम सभी राष्ट्रीय एकता महसूस कर सकें, सब में सद्गुर और प्रेम का प्रसार कर सकें। उक्त उद्धार व्यक्त कर रहे थे महार्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० अनिल कुमार शुक्ल। प्रो० शुक्ल मेवाड़ विश्वविद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार तथा क्षेत्रीय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। अपनी बात शुरू करते हुए उहने कहा कि



मेवाड़ शैर्य व बलिदान की धरती है यह धरती हमें बीरता के साथ मना सिखाती है तो वहाँ आज राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर का यह एकता शिविर हमें बीरता के साथ जीना सिखाता है उहने कहा कि शिक्षा का मूल उद्देश्य समाज का कल्याण ही है। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में देश भर के एनएसएस वालोंटियर्स को सम्बोधित करते हुए कोटा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० नीलिमा सिंह ने कहा कि युवा ऊर्जा से परिपूर्ण रहते हैं इसीलिए राष्ट्रीय सेवा योजना जैसे कार्यक्रमों में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। उहने देश भर से आए एनएसएस वालोंटियर्स को राष्ट्रीय निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित हैं। सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ की विंग कमांड पुष्पा ठाकुर ने वालोंटियर्स को चार मूल मंत्र दिए। कहा कि हर एक युवा को अपने शब्दों के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए, अनुशासित रहना चाहिए, सदैव सकारात्मक रहना चाहिए, और खुद से बेहद प्यार करते रहना चाहिए। इसके पहले देश भर के एनएसएस वालोंटियर्स को सम्बोधित करते हुए, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशक पी. के. सिंह ने कहा कि मानव संसाधन किसी भी देश की सबसे बड़ी सम्पदा होती है। इसी

सम्पदा का निरंतर निर्माण करना एनएसएस का मकसद है। एनएसएस के माध्यम से हम विद्यार्थियों में नागरिक व नैतिक मूल्य विकसित करते हैं। एनएसएस के इस राष्ट्रीय एकता शिविर के पीछे की सोच भी यही है कि विद्यार्थियों में भारतीयता व विभिन्नता में एकता की भावना विकसित हो सके। शिक्षा विभाग, गजस्थान सरकार के गज्य नोडल अधिकारी धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि जब तक हम समाज में अपना योगदान नहीं देते, तब तक एक बेहतर नागरिक नहीं बन सकते। हमारा आचार-विचारव परिधान कैसा हो यह भी एनएसएस में प्रस्तुत किया। इसके पहले एनएसएस की अवधारणा, संकल्पना और उद्देश्यों को बताते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर के क्षेत्रीय निदेशक एस. पी. बटनागर ने कहा कि यह ऐसा अवसर है देश भर के एनएसएस वालोंटियर्स के लिए जहाँ हम हमारे भारत की साझी सांस्कृतिक विरासतों का आदान-प्रदान कर खुद को समर्पी कर सकें। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए मेवाड़ एनुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष गोविन्द लाल गदिया ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम नियमित होने चाहिए। जिससे हम

गण निर्माण की अपनी भावी योजनाओं को साकार कर सकें। मेवाड़ एनुकेशन सोसाइटी का भी यही उद्देश्य है कि वह समाज के हर वर्ग को एक बेहतर शिक्षा व सामाजिक व्यवहार की उत्तम पद्धति मुहैया करा सके। इसमें न केवल सरकार व बाल्क समाज के हर व्यक्ति से सहयोग व योगदान की हमें आवश्यकता है। इन सबके अलावा उद्घाटन समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी आयोजन आयोजित हुआ। जिसमें मेवाड़ विश्वविद्यालय की नृत्य विभागध्यक्षा कुंजलता मिश्रा ने राण विश्वविद्यालय की अधिकारियों एवं उनके एनएसएस वालोंटियर्स का परिचय व स्वागत पगड़ी व सृति विहार किया। यज राण विभागध्यक्षा ने राण विश्वविद्यालय जोधपुर के एनएसएस वालोंटियर्स की अध्यक्षता के एवं उनके एनएसएस वालोंटियर्स ने स्वागत पगड़ी व सृति विहार किया। दिन के दूसरे सत्र में एनएसएस वालोंटियर्स को मेवाड़ विश्वविद्यालय के प्रतिकूलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने सम्बोधित किया। राष्ट्रीय एकता शिविर का पहला दिन उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड एवं बिहार के नाम रहा जिसमें इन तीन राज्यों के एनएसएस वालोंटियर्स ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सफाई अधिकारी, खेलकूद गतिविधियों आदि में सक्रिय प्रतिभागिता की। अन्त में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट डायरेक्टर हरीश गुरुनानी ने

जयपुर सोमवार, 23 मई :

# समाज के लिए जीना ही है राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य प्रो० अनिल कुमार शुक्ल

**व्यक्तिगत से सामाजिक हित और राष्ट्रीय एकता का प्रयास है यह राष्ट्रीय एकता शिविर प्रो०**

**नीलिमा सिंह**

**विद्यार्थियों में भारतीयता व विभिन्नता में एकता की भावना का विकास ही राष्ट्रीय एकता शिविर का उद्देश्य प्रो० के०**

**सिंह**

**मेवाड़ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय एकता शिविर का शानदार आगाज पहला दिन होगा उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड एवं बिहार के नाम**

**जयपुर मिड-डे टाईम्स**

चितौड़गढ़/गंगारा। व्यक्तिगत से सामूहिक वात्रा, व्याटि सेसमटी की यात्रा, पिण्ड से ब्रह्मांड की यात्रा हीं राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य है। यह सिखाती है कि हमें बहुत ऊंचा उठाना है, इना ऊंचा उठाना है कि हम सभी राष्ट्रीय एकता महसूस कर सकें, सब में सद्व्राग और प्रेरणा

का प्रसार कर सकें। उक्त उद्घार्यक कर रहे थे महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० अनिल कुमार शुक्ल। प्रो० शुक्ल मेवाड़ विश्वविद्यालय में चुवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार तथा क्षेत्रीय निदेशन विद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर के संबोधण से आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। अपनी बात शुरू करते हुए उन्होंने कहा कि मेवाड़ शोर्य व बलदान की धरती है। यह धरती हमें बोला के साथ मरना सिखाती है तो वहाँ आज राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर का यह एकता शिविर हमें बोला के साथ जीना सिखाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का मूल उद्देश्य समाज का कल्याण ही है। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में देश भर के एनएसएस वालांटियर्स को सम्मोऽधित करते हुए कोटा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० नीलिमा सिंह ने कहा कि चुवा ऊंचा से परिपूर्ण रहते हैं इसीलिए राष्ट्रीय सेवा योजना जैसे कार्यक्रमों में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने देश भर से आए एनएसएस वालांटियर्स को राष्ट्रीय निर्माण में योगदान देने के लिए प्रत्यासुलित किया। सैनिक स्कूल चितौड़गढ़ की विंग कमांडर पुष्पा ठाकुर ने वालांटियर्स को चार मूल मंत्र दिए। कहा कि हर एक युवा को अपने शब्दों के प्रति प्रतिवर्द्ध रहना चाहिए, अनुसासित रहना चाहिए, सदैव



राज्य नोडल अधिकारी धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि जब तक हम समाज में अपना योगदान नहीं देते, तब तक एक बेहतर नागरिक नहीं बन सकते। हमारा आचार-विचार एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशक की। के. सिंह ने कहा कि मानव संसाधन की सेवा की सबसे बड़ी सम्पदा होती है। इसी सम्पदा का निरंतर निर्माण करना एनएसएस का मकसद है। एनएसएस के मध्यम से हम विद्यार्थियों में नागरिक व नैतिक मूल्य विकासित करते हैं। एनएसएस के इस राष्ट्रीय एकता शिविर के पांछे को सोची भी यहाँ है कि विद्यार्थियों में भारतीया व निषिद्धना में एकता की भावना निर्मासित हो सके।

शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार के

आधार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के गण्डीव स्तर के कार्यक्रम नियमित होने चाहिए जिससे हम राष्ट्रीय निर्माण की अपनी भावी योजनाओं को साकार कर सकें। मेवाड़ एजुकेशन सोसाइटी का भी यही उद्देश्य है कि वह समाज के हर वर्ग को एक बेहतर शिक्षा व सामाजिक व्यवहार को उन्नत पहुंचति मुहैया कर सके। इसमें न केवल साकार बल्कि समाज के हर व्यक्ति से स्वाक्षर व योगदान की हमें आवश्यकता है।

इन सबके अलावा उद्घाटन समारोह में विधिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ। जिसमें मेवाड़ विश्वविद्यालय की नूतन विभागाध्यक्ष कुंजलता मिश्रा ने योग बजादारी एकताल पर और झोलो नूतन प्रस्तुत किया। जय नारायण बास विश्वविद्यालय जैद्धुपुर के एनएसएस वालांटियर्स ने स्वागत समूह गान इस्वागत म्हारे हिवड़े रा पावड़ा प्रस्तुत किया। आर. के. पाटनी गल्स कॉलेज एवं मेवाड़ विश्वविद्यालय के एनएसएस वालांटियर्स ने नूतन प्रस्तुती दी। साथ ही बांसुरी पर रम्मीय हो गई मण्नर बी प्रस्तुति मंगोत विभागाध्यक्ष डॉ० राजीव कमीशन ने दी।

राष्ट्रीय एकता शिविर के उद्घाटन समारोह की शुरुआत सरस्वती वंदना, मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलगीत व एनएसएस गीत के साथ हुई। अतिथियों का परिचय एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के प्रति

के ट्रेनिंग एवं लोसमेंट डायरेक्टर हरीश गुप्तानी ने दिया। कार्यक्रम का संचालन वंदना चुण्डावत व गंगा विश्वा ने किया और धन्यवाद ज्ञापन मेवाड़ विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति आनन्द बर्द्धन शुक्ल ने दिया। अतिथियों का स्वागत पगड़ी व स्मृति चिह्न से किया गया। कार्यक्रम के अंत में हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़, हरियाणा, पंजाब, जिल्हा कश्मीर, आसाम, गोवा, बिहार, झारखण्ड, तमिलनाडु, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, एवं गोजस्थान के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारियों एवं उनके एनएसएस वालांटियर्स का परिचय व स्वागत पगड़ी व स्मृति चिह्न देकर किया गया। दिन के दूसरे सत्र में एनएसएस वालांटियर्स को मेवाड़ विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति आनन्द बर्द्धन शुक्ल ने सम्मोऽधित किया। राष्ट्रीय एकता शिविर का पहला दिन उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड एवं बिहार के नाम रहा जिसमें इन तीन गण्डों के एनएसएस वालांटियर्स ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों, सफाई अभियान, खेलकूद गतिविधियों आदि में सक्रिय प्रतिभागिता की। अन्त में राष्ट्रीयान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलगीत व एनएसएस गीत के साथ हुई। अतिथियों का परिचय एवं कर्मचारी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

कार्य किए जाएंगे।

# समाज के लिए जीना ही राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्यः प्रो अनिल

गंगरार। व्यक्तिगत से सामूहिक यात्रा, व्यष्टि से समाइ की यात्रा, पिण्ड से ब्रह्मांड की यात्रा ही राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य है। यह सिखाती है कि हमें बहुत ऊंचा उठना है, इतना ऊंचा उठना है कि हम सभी राष्ट्रीय एकता महसूस कर सकें, सब में सद्भाव और प्रेम का प्रसार कर सकें। उक्त उद्घार व्यक्त कर रहे थे महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अनिल कुमार शुक्ल। प्रो शुक्ल मेवाड़ विश्वविद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार तथा क्षेत्रीय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। शिक्षा का मूल उद्देश्य समाज का कल्याण ही है। कोटा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा सिंह ने कहा कि युवा ऊर्जा से परिपूर्ण रहते हैं इसीलिए राष्ट्रीय सेवा योजना जैसे कार्यक्रमों में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने देश भर से आए एनएसएस वालटियर्स को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़



की विंग कमांडर पुष्पा ठाकुर ने वालटियर्स को चार मूल मंत्र दिए। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशक पी.के. सिंह ने कहा कि मानव संसाधन किसी भी देश की सबसे बड़ी सम्पदा होती है। शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार के राज्य नोडल अधिकारी धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि जब तक हम समाज में अपना योगदान नहीं देते, तब तक एक बेहतर नागरिक नहीं बन सकते। राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर के क्षेत्रीय निदेशक एस. पी. भट्टनागर ने कहा कि यह ऐसा अवसर है देश भर के

एनएसएस वालटियर्स के लिए जहां हम हमारे भारत की साझी सांस्कृतिक विरासतों का आदान-प्रदान कर खुद को सम्पूर्ण कर सकें। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता मेवाड़ एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष गोविन्द लाल गदिया ने की। मेवाड़ विश्वविद्यालय की नृत्य विभागाध्यक्ष कुंजलता मिश्रा ने राग बज्रदंती एक ताल पर ओडीशी नृत्य प्रस्तुत किया। जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के एनएसएस वालटियर्स ने स्वागत समूह गान स्वागत म्हरे हिवड़े रा पांवणा प्रस्तुत किया। आर. के. पाटनी गल्स कॉलेज एवं मेवाड़

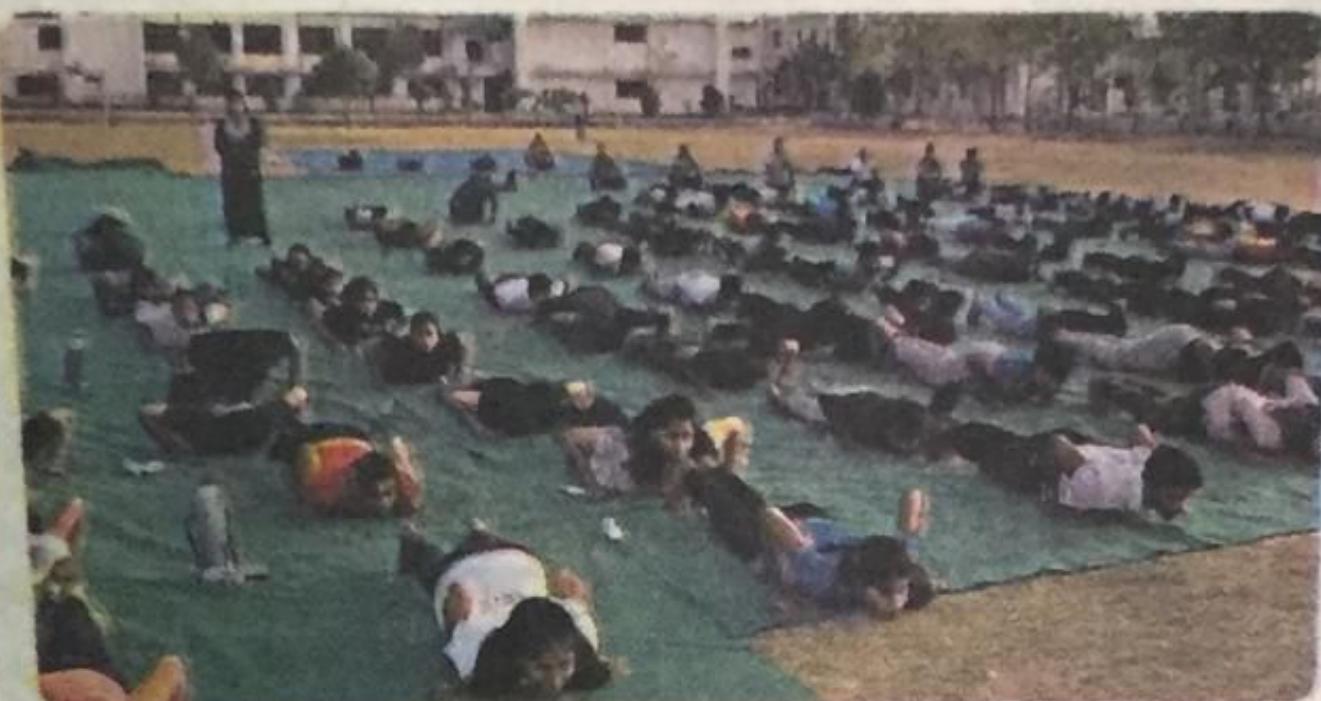
विश्वविद्यालय के एनएसएस वालटियर्स ने नृत्य प्रस्तुती दी। साथ ही बांसुरी पर मीरा हो गई मगन की प्रस्तुति संगीत विभागाध्यक्ष डॉ राजर्षि कसौधन ने दी। स्वागत भाषण मेवाड़ विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट डायरेक्टर हरीश गुरनानी, सचालन वंदना चूण्डावत व गंगा बिस्वा ने किया और धन्यवाद ज्ञापन मेवाड़ विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने दिया। कार्यक्रम अधिकारियों एवं उनके एनएसएस वालटियर्स का परिचय व स्वागत पगड़ी व स्मृति चिह्न देकर किया गया।

## राष्ट्रीय एकता शिविर



गंगरार। स्वयं की ताकत और कमजोरियों का निरन्तर विश्लेषण करते रहें। निरन्तर प्रशिक्षण से अपने आपको और मजबूत बनायें। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के दूसरे दिन बतौर मुख्य अतिथि संगम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. करुणेश सक्सेना ने देशभर के विभिन्न राज्यों से आये हुए एनएसएस वालन्टियर्स से कही। स्वागत भाषण मेवाड़ विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने दिया। कार्यक्रम का संचालन गुजरात के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जितेन्द्र पटेल और महाराष्ट्र की राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुनीता पाल ने किया। धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना राजस्थान की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रूचि मिश्रा ने किया। इसके अलावा गुजरात मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र के एनएसएस वालन्टियर्स ने सुबह प्रभातफेरी और योगा कार्यक्रम में प्रतिभागिता की तथा दोपहर में खेलकूद गतिविधियों एवं सायंकाल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

# स्वयं की ताकत और कमजोरियों का निरन्तर विश्लेषण करते रहें



चित्तौड़गढ़, स्वयं की ताकत और कमजोरियों का निरन्तर विश्लेषण करते रहें। निरन्तर प्रशिक्षण से अपने आप को और मजबूत बनायें। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के दूसरे दिन संगम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. करुणेश सक्सेना ने देशभर के विभिन्न राज्यों से आये हुए एनएसएस वालन्टियर्स से कही। उन्होंने कहा कि सारी शिक्षा केवल पढ़ाई से ही नहीं मिल सकती इसके अलावा भी हमें व्यावहारिक व सामाजिक जीवन से भी सीखने की जरूरत है। हमें हमेशा अच्छे व्यवहार की आदत बनानी चाहिये। यथार्थवादी बने रहें, मुगालते में न रहें। हम अक्सर मुश्किल आने पर घबरा जाते हैं। हमें धैय रखना चाहिए।

और अपनी ऊर्जा को संकेन्द्रित करना चाहिए। परिचय एवं स्वागत भाषण मेवाड़ विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने दिया। कार्यक्रम का संचालन गुजरात के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जितेन्द्र पटेल और महाराष्ट्र की राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुनीता पाल ने किया। राष्ट्रीय सेवा योजना राजस्थान की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रूचि मिश्रा ने आभार जताया किया। इसके अलावा गुजरात मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र के एनएसएस वालन्टियर्स ने सुबह प्रभातफेरी और योगा कार्यक्रम में प्रतिभागिता की तथा दोपहर में खेलकूद गतिविधियों एवं सायंकाल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

# समाज के लिए जीना ही है राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य : प्रो. शुक्ल



चित्तौड़गढ़, 22 मई (कासं.)  
। व्यक्तिगत से सामूहिक यात्रा, व्यष्टि से समष्टि की यात्रा, पिण्ड से ब्रह्मांड की यात्रा ही राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य है। यह सिखाती है कि हमें बहुत ऊँचा उठना है, इतना ऊँचा उठना है कि हम सभी राष्ट्रीय एकता महसूस कर सकें, सब में सद्भाव और प्रेम का प्रसार कर सकें।

यह उद्गार महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनिल कुमार शुक्ल ने मेवाड़ विश्वविद्यालय में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार तथा क्षेत्रीय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के उद्घाटन सत्र के मूल्य अतिथि के

ऑनलाइन हाजिरी दर्ज नहीं हो पा रही है, 16 मई से मेट ऑफ

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर का यह एकता शिविर हमें वीरता के साथ जीना सिखाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का मूल उद्देश्य समाज का कल्याण ही है। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में देश भर के एनएसएस वॉलंटियर्स को सम्बोधित करते हुए कोटा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा सिंह ने कहा कि युवा ऊर्जा से परिपूर्ण रहते हैं। इसीलिए राष्ट्रीय सेवा योजना जैसे कार्यक्रमों में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ की विंग कमांडर पुष्पा ठाकुर ने वॉलंटियर्स को चार मूल मंत्र दिए।

उन्होंने कहा कि हर एक युवा को अपने शब्दों के प्रति प्रतिबद्ध रहना



करते हुए युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशक पीके सिंह ने कहा कि मानव संसाधन किसी भी देश की सबसे बड़ी सम्पदा होती है। इसी सम्पदा का निरंतर निर्माण करना एनएसएस का मकसद है।

कार्यक्रम में शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार के राज्य नोडल अधिकारी धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि जब तक हम समाज में अपना योगदान नहीं देते, तब तक एक बेहतर नागरिक नहीं बन सकते। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए मेवाड़ एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष गोविन्द लाल गदिया ने युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते

समारोह की शुरुआत सरस्वती वंदना, मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलगीत व एनएसएस गीत के साथ हुई। अतिथियों का परिचय एवं स्वागत भाषण मेवाड़ विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट डायरेक्टर हरीश गुरनानी ने दिया। कार्यक्रम का संचालन वंदना चुंडावत व गंगा बिस्वा ने किया और धैन्यवाद ज्ञापन मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने दिया।

दिन के दूसरे सत्र में एनएसएस वालेंटियर्स को मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने सम्बोधित किया। राष्ट्रीय एकता शिविर का पहला दिन उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड एवं बिहार के नाम रहा, जिसमें इन तीन राज्यों के एनएसएस

प्रताप जयंती को भव्य रूप से मनाने

# समाज के लिए जीना ही है राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य : शुक्ल

चित्तौड़गढ़ (प्रातःकाल संवाददाता)। व्यक्तिगत से सामूहिक, व्यष्टि से समष्टि, पिण्ड से ब्रह्मांड की यात्रा ही राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य है। यह सिखाती है कि हमें बहुत ऊँचा उठना है, इतना ऊँचा उठना है कि हम सभी राष्ट्रीय एकता महसूस कर सके। उक्त विचार महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनिल कुमार शुक्ल ने मेवाड़ विश्व विद्यालय में आयोजित युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा क्षेत्रीय निदेशालय राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर के सहयोग से राष्ट्रीय एकता शिविर के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि मेवाड़ शौर्य व बलिदान की धरती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का मूल उद्देश्य समाज का कल्याण ही है। कोटा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा सिंह ने कहा कि युवा ऊर्जा से परिपूर्ण रहते हैं इसीलिए राष्ट्रीय सेवा योजना जैसे कार्यक्रमों में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने देश भर से आए

एनएसएस वालंटियर्स को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। सैनिक स्कूल की विंग कमांडर पुष्पा ठाकुर ने वालंटियर्स को चार मूल मंत्र देते हुए कहा कि हर एक युवा को अपने शब्दों के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए, अनुशासित रहना चाहिए, सदैव सकारात्मक रहना चाहिए, और खुद से बेहद प्यार करते रहना चाहिए।

राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशक पी. के. सिंह ने कहा कि मानव संसाधन किसी भी देश की सबसे बड़ी सम्पदा होती है। इसी सम्पदा का निरंतर निर्माण करना एनएसएस का मकसद है। क्षेत्रीय निदेशक एस. पी. भटनागर ने कहा कि यह ऐसा अवसर है देश भर के एनएसएस वालंटियर्स के लिए जहाँ हम हमारे भारत की साझी सांस्कृतिक विरासतों का आदान-प्रदान कर खुद को सम्पूर्ण कर सकें। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता मेवाड़ एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष गोविन्द लाल गदिया ने की।

# स्वयं की ताकत व कमजोरियों का निरंतर विश्लेषण करें

चित्तौड़गढ़, 23 मई (कासं.)

। स्वयं की ताकत और कमजोरियों का निरन्तर विश्लेषण करते रहें, निरन्तर प्रशिक्षण से अपने आप को और मजबूत बनायें।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के दूसरे दिन बतौर मुख्य अतिथि संगम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. करुणेश सक्सेना ने देशभर के विभिन्न राज्यों से आये हुए एनएसएस वालन्टियर्स को संबोधित करते हुए कहा कि सारी शिक्षा केवल पढ़ाई से ही नहीं मिल सकती इसके अलावा भी हमें व्यावहारिक व सामाजिक जीवन से भी सीखने की जरूरत है।



हमें हमेशा अच्छे व्यवहार की आदत बनानी चाहिये। यथार्थवादी बने रहें, मुगालते में न रहें। हम अक्सर मुश्किल आने पर धबरा जाते हैं, हमें धैर्य रख अपनी ऊर्जा को संकेन्द्रित

करना चाहिए। परिचय एवं स्वागत भाषण विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने दिया। कार्यक्रम का संचालन गुजरात के राष्ट्रीय सेवा योजना

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जितेन्द्र पटेल और महाराष्ट्र की राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुनीता पाल ने किया। राष्ट्रीय सेवा योजना राजस्थान की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रूचि मिश्रा ने सभी का धन्यवाद व्यक्त किया। इसके अलावा गुजरात मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र के एनएसएस वालन्टियर्स ने सुबह प्रभातफेरी और योगा कार्यक्रम में प्रतिभागिता की तथा दोपहर में खेलकूद गतिविधियों एवं सायंकाल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय सेवा योजना गान् तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ।